III. CORE COURSE -C 13: (Credits: Theory-05, Tutorial-01)
कोर पाठ्यक्रम –C 13: (क्रेडिट: सैद्धान्तिक -05, अभ्यास -01)

Marks : 25 (MSE: 1Hr) + 75 (ESE: 3Hrs) =100	Pass Marks: Th (MSE +ESE) = 40

प्रश्न पत्र के लिए निर्देश

मध्य छमाही परीक्षा :

*प्रश्नों के दो समूह होंगे। **खण्ड 'A'** में पाँच **अत्यंत लघु उत्तरीय** 1 अंक के **अनिवार्य** प्रश्न होंगे। **खण्ड 'B'** में छः में से किन्हीं चार 5 अंको के **वर्णनात्मक प्रश्नों** के उत्तर देने होंगे।*

छमाही परीक्षा :

*प्रश्नों के दो समूह होंगे। **खण्ड 'A' अनिवार्य है** जिसमें दो प्रश्न होंगे। **प्रश्न संख्या 1** में दस **अत्यंत लघु उत्तरीय** 1 अंक के प्रश्न होंगे। **प्रश्न संख्या 2 लघु उत्तरीय** 5 अंक का प्रश्न होगा। **खण्ड 'B'** में छः में से किन्हीं चार 15 अंको के **वर्णनात्मक प्रश्नों** के उत्तर देने होंगे।*

***नोट :** सैद्धान्तिक परीक्षा में पूछे गए प्रत्येक प्रश्न में उप–विभाजन हो सकते हैं।*

हिन्दी समीक्षा

सैद्धान्तिक: 75 व्याख्यान , अभ्यास : 15 व्याख्यान

इकाई –1 हिन्दी समीक्षा का उद्भव और विकास, हिन्दी में शास्त्रीय समीक्षा, हिन्दी में स्वच्छन्दतावादी समीक्षा, हिन्दी में मार्क्सवादी समीक्षा।

इकाई –2 राचन्द्र शुक्ल, डॉ0 हजारी प्रसाद द्विवेदी, नन्ददुलारे बाजपेयी, डॉ0 नगेन्द्र, डॉ0 रामविलासशर्मा, डॉ0 नामवर सिंह का योगदान।

अनुशंसित पुस्तकें :–

- हिन्दी आलोचना : डॉ0 विश्वनाथ त्रिपाठी।
- हिन्दी आलोचना का विकास : डॉ0 नंदकिशोर नवल
- वस्तुनिष्ठ काव्यशास्त्र : डॉ0 बालेन्दु शेखर तिवारी
- हिन्दी आलोचना – बीसवीं शताब्दी : डॉ0 रेवती रमण
- हिन्दी आलोचना – समकालीन परिदृश्य : डॉ0 कृष्णादत्त पालीवाल
- हिन्दी आलोचना – शिखरों का साक्षात्कार : डॉ0 रामचन्द्र तिवारी।
- हिंदी आलोचना कल और आज : डॉ0 केदार सिंह
- काव्य निरूपण : डॉ0 विजय कुमार वेदालंकार, डॉ0 जंग बहादुर पाण्डेय